राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 03 सितम्बर 2025

वर्ष 14,अंक 142, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

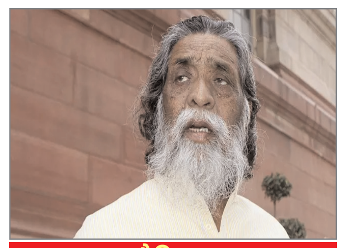

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

शहीद वीर वीरा पासी चौक बदहाल,बाउंड्री वॉल टूटकर बिखर गई..03

जिप्स की बिक्री पर नियमों की अस्पष्टता से दुखदा व्यापारी परेशान..04

साल 1988 की यादें ताजा कर रही पंजाब की भयावह बाढ़, क्या इतिहास खुद को दोहरा रहा?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ ने 1988 की भयंकर बाढ़ की यादें फिर से ताजा कर दी हैं। उस वक्त सतलुज, व्यास और रावी नदियाँ बहुत ज्यादा बढ़ गई थीं, जिससे 500 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा बैठे थे। आज भी बाढ़ से कई जिले बहुत प्रभावित हुए हैं। खासकर गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, जालंधर और रूपनगर जैसे जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा परेशान हैं। यहाँ के लोग अपनी जिंदगी फिर से सही करने के लिए बड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बाढ़ की वजह सिर्फ इंसान नहीं

पंजाब में बाढ़ सिर्फ बारिश और नदियों के बढ़ने की वजह से नहीं आती। इंसानों की कई गलतियों की वजह से भी बाढ़ बढ़ती है। जैसे नालों और नहरों की साफ-सफाई न होना, नदियों के रास्ते बंद हो जाना, कमजोर और टूटे हुए बांध, हरियाली की कमी, अवैध खनन और जंगलों की कटाई। साथ ही, नदी किनारे बिना अनुमति के घर और अन्य निर्माण भी बाढ़ की समस्या बढ़ाते हैं। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन की वजह से बारिश का तरीका बदल गया है और अब बारिश ज्यादा और अनियमित होती है, जिससे बाढ़ की स्थिति खराब हो रही है।

नदियों में गाद जमा होने से पानी सही तरह से नहीं बह पाता क्योंकि सरकारें सालों से नदियों से गाद निकालने में कामयाब नहीं हो पाई।

1988 की बाढ़ ने पंजाब को कर दिया था बर्बाद

साल 1988 की बाढ़ पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत बड़ी तबाही लेकर आई थी। इस बाढ़ में उत्तर भारत में 1,400 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें से 383 सिर्फ पंजाब में थे। उस साल मार्च से लगातार बारिश हो रही थी, लेकिन सितंबर में सतलुज, रावी और व्यास नदियाँ बहुत ज्यादा बढ़ गई थीं। 11 मार्च को गुरदासपुर में रावी नदी अचानक उफान पर आई, जिससे 40 गाँव पानी में डूब गए। जुलाई में सतलुज और रावी नदियों के पानी ने कई जिलों को पूरी तरह डुबो दिया। सितंबर के आखिरी दिनों में भाखड़ा और पौंग बाँधों के दरवाज़े खोलने से बाढ़ और भी बढ़ गई।

1993 की बाढ़ से भी मची थी भारी

तबाही

साल 1988 के पांच साल बाद, 1993 में भी पंजाब में बड़ी बाढ़ आई। इस बार करीब 300 लोग मारे गए और 6,200 मवेशी पानी में डूब गए। अमृतसर, गुरदासपुर, लुधियाना, पटियाला, होशियारपुर और संगरूर जैसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के अध्ययन से पता चला कि 1988 की बाढ़ नदियों के बहुत बढ़ जाने की वजह से आई थी, लेकिन 1993 की बाढ़ नहरों और तटबंधों में दरारें आने की वजह से ज्यादा नुकसान पहुंचाई।

क्यों बढ़ती जा रही है तबाही?

जानकारी से पता चलता है कि पंजाब में नदियों के किनारे बने तटबंध और बांध सही तरीके से रखरखाव नहीं होते। नहरों की सफाई भी ठीक से नहीं की जाती, जिससे पानी का बहाव ठीक से नहीं हो पाता। जल निकासी की व्यवस्था कमजोर है और प्राकृतिक जलमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। नहरों, रेलवे ट्रैक, सड़कों और खेती के कारण पानी का प्राकृतिक रास्ता बाधित हो गया है। साथ ही, बाढ़ वाले इलाकों में बिना अनुमति के बन रहे घर और कमजोर बांधों की वजह से बाढ़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया है।

साल 2023 की बाढ़ और जलवायु परिवर्तन का असर

एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 की बाढ़ जलवायु परिवर्तन के कारण आई असामान्य और भारी बारिश की वजह से हुई थी। हिमाचल प्रदेश में 7 से 11 जुलाई 2023 तक सामान्य से 436% अधिक बारिश हुई जिससे ब्यास, घग्गर और सतलुज नदियाँ पंजाब के निचले इलाकों में घुस गईं। लगभग 2.21 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आ गया, जिसमें खासकर धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई।

सरकारें क्यों रही नाकाम?

एक प्रोफेसर के अनुसार पंजाब में बाढ़ प्रबंधन के लिए मास्टर प्लान होने के बावजूद बाढ़ का प्रभाव कम करने में असफल रहे हैं। तटबंधों का कमजोर होना, नदियों के किनारे अवैध अतिक्रमण, और वित्तीय व राजनीतिक कमी ने स्थिति को खराब कर दिया है। साल 1988 से 2010 तक के आंकड़े बताते हैं कि सहायक नदियों की सफाई न होना, तटबंधों का टूटना, नहरों में कट लगाना और जल निकासी प्रणाली की कमी प्रमुख कारण रहे हैं।

राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गाली दी गई ...यह देश की हर मां-बेटी का अपमान, P M मोदी बोले- महिलाओं से बदला लेना चाहते है....

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस की हाल ही में संपन्न हुई 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी मां को दी गई गालियों से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भले ही वह राजद और कांग्रेस को माफ़ कर दें, लेकिन बिहार के लोग उन्हें कभी माफ़ नहीं करेंगे। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का उद्घाटन किया। इस पहल का शुभारंभ उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कांग्रेस और राजद पर कड़ी आलोचना भी की। उन्होंने कांग्रेस की सहयोगी पार्टी राजद पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी महिलाओं से बदला लेना चाहती है, क्योंकि उन्हीं की वजह से बिहार में क्षेत्रीय पार्टी की सरकार सत्ता से बेदखल हुई थी। उन्होंने कहा, "माताओं को गालियां देने वाले लोगों की मानसिकता महिलाओं को कमजोर समझने की होती है। मेरी मां को गालियां देना बिहार की बेटियों और बहनों का अपमान है।" पीएम मोदी ने कहा, " राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गाली दी गई। मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, तो उनका क्या दोष था; उन्हें गालियां क्यों दी गई?" नरेंद्र मोदी ने कहा, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार की एनडीए सरकार ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम किया है।" पीएम मोदी ने राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सस्ती ब्याज दरों पर धन तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए 'बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड'नामक सहकारी संस्था का वर्चुअल शुभारंभ किया। नई सहकारी संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये हस्तांतरित करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्था बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं के उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देगी।

8 साल के बच्चे को कुत्ते ने काटा, गुस्से में पिता ने कुत्ते का जबड़ा फाड़कर मार डाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने इंसान और जानवर के बीच रिश्ते पर नई बहस छेड़ दी है। घटना दही थाना क्षेत्र के बसीरतगंज गांव की है, जहां वीरेंद्र कुमार का मात्र 8 साल का बेटा आवारा कुत्ते के हमले में बुरी तरह जख्मी हो गया। मासूम की चीखें सुनकर वहां पहुंचे पिता ने बेटे को बचाया तो जरूर, लेकिन फिर जो हुआ उसने सभी को चौंका दिया।

गुस्से में पिता ने की कुत्ते की बेरहमी से पिटाई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही वीरेंद्र को पता चला कि उसके बेटे को कुत्ते ने काटा है, वह गुस्से में तमतमाता हुआ मौके पर पहुंचा और उस कुत्ते को पीटना शुरू कर दिया। इतने पर भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ, तो उसने कुत्ते का जबड़ा फाड़कर उसे मार डाला। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव किया और काफी मशक्कत के बाद किसी तरह वीरेंद्र को शांत कराया। लेकिन तब तक कुत्ता गंभीर रूप से घायल हो चुका था।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो, उठे सवाल

घटना का किसी ने मोबाइल से वीडियो बना लिया। यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जनता के साथ-साथ पशु अधिकार संगठनों में भी गुस्सा भड़क गया। वीडियो वायरल होने के बाद एक स्वयंसेवी संगठन ने इस मामले में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वीरेंद्र कुमार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, जो भी कानूनी प्रक्रिया बनती है, वह की जाएगी। यह मामला न सिर्फ एक भावनात्मक प्रतिक्रिया की कहानी है, बल्कि यह भी सवाल उठाता है कि शहरों में आवारा कुत्तों का आतंक कब रुकेगा? क्या जिम्मेदार एजेंसियों की ओर से नसबंदी, टीकाकरण और निगरानी की व्यवस्था पर्याप्त है? और अगर कोई बच्चा कुत्ते के काटने का शिकार होता है, तो क्या उसका गुस्सा कानून से ऊपर हो सकता है?

संक्षिप्त ख़बरें

डेरा ब्यास प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने दिल्ली C M से की मुलाकात

राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख पूज्य बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। इसकी जानकारी खुद मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाऊंट के जरिए दी। उन्होंने लिखा, आज राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख पूज्य बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। उनके पावन आगमन से मुख्यमंत्री जनसेवा सदन सचमुच धन्य हो गया। डेरा ब्यास सेवा, करुणा और मानवता के उन शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है, जो जीवन को सही दिशा और समाज को एकता का संदेश देते हैं। पूज्य गुरुदेव की वाणी में अपार प्रेम, उनकी दृष्टि में आशीर्वाद और उनके हर संदेश में समाज को जोड़ने व श्रेष्ठ मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा है। आज का यह सान्निध्य न केवल सदन को पावन बना गया, बल्कि मेरे भीतर भी यह संकल्प और प्रबल हुआ कि जनसेवा और आध्यात्मिक सेवा एक-दूसरे के पूरक हैं। यही मार्ग हमारे राष्ट्र और समाज को वास्तविक समृद्धि और कल्याण की ओर ले जाता है।

मूसलाधार बारिश का कहर, गरीब के घर की गिरी छत

बटाला – पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गांधी कैंप स्थित एक गरीब के घर की छत गिरने से भारी आर्थिक नुक्सान होने का समाचार मिला है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एस.सी एकता जिंदाबाद संस्था के अध्यक्ष रमेश लखोत्रा ने बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण वार्ड नंबर 8 गांधी कैंप में रहने वाले गरीब परिवार से संबंधित नीलम कुमारी पत्नी किशन लाल के लक्कड़ी के बालों वाली कच्चे मकान की छत बीती रात गिर गई, जिससे उसका जहां सारा सामान नष्ट हो गया है, वहीं साथ ही गैस चूल्हा एवं बर्तनों का भी काफी नुकसान हुआ है। रमेश लखोत्रा ने सरकार और प्रशासन से पुरजोर मांग की कि जब से इस गरीब परिवार की छत गिरी है, जहां इस परिवार का घर के अंदर रहना मुश्किल हो गया है, वहीं इस परिवार को तुरंत हर संभव मदद प्रदान की जाए।

ट्रंप का झूठ एक्सपोज़! भारत ने हमें लूटा - पर आंकड़े चिल्ला-चिल्ला कर बोले- नहीं साहब, डेटा ने खोल दी पोल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पर व्यापार में 'अन्याय 'करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ 'एकतरफा व्यापार 'किया है और अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैरिफ (import duty) लगाया है। लेकिन क्या यह पूरी सच्चाई है? आईए जानते है विस्तार से....

ट्रंप का दावा बनाम हकीकत– क्या भारत सबसे बड़ा दोषी है?

डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह आरोप लगाते रहे हैं कि भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार में अनुचित लाभ उठाया है, और अमेरिकी व्यापार घाटे में बड़ा योगदान दिया है। लेकिन वास्तविक आंकड़े कुछ और ही बयां करते हैं:-

देश	अमेरिका का व्यापार घाटा (बिलियन डॉलर में)
चीन	270 बिलियन
यूरोपीय संघ	161 बिलियन
मैक्सिको	157 बिलियन
वियतनाम	113.1 बिलियन
ताइवान	67.4 बिलियन
जापान	62.6 बिलियन
दक्षिण कोरिया	60.2 बिलियन
कनाडा	54.8 बिलियन
थाईलैंड	41.5 बिलियन
भारत	41.5 बिलियन

भारत 'लूटा 'नहीं, अमेरिका को लाभ पहुंचा रहा है...

ट्रंप ये दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत अमेरिका का सबसे बड़ा 'लाभ उठाने वाला''देश है। लेकिन सच्चाई यह हैकि अमेरिका का व्यापार घाटा (2024 तक) सबसे अधिक चीन (270B) से है। फिर आता है यूरोपीय संघ (161B), मैक्सिको (157B), वियतनाम (113B) ... और भारत? सिर्फ 41.5B। यानी भारत अमेरिका के कुल व्यापार घाटे में मात्र 3% का योगदान देता है। अगर यही ''लूट''है, तो फिर ट्रंप चीन और यूरोप के खिलाफ क्यों नहीं इतने आक्रामक होते?

सेवाओं में व्यापार – बराबरी का सौदा

भारत और अमेरिका के बीच सेवाओं (Services) का व्यापार 2023 में लगभग 83.4 बिलियन का रहा।

-अमेरिका ने भारत को सेवाएं बेचीं-41.8 बिलियन

-भारत ने अमेरिका को सेवाएं बेचीं- 41.6 बिलियन

यानि यहां भी व्यापार बराबरी पर है। फिर ट्रंप का ''एकतरफा''व्यापार का आरोप कैसे सही हो सकता है? तो क्या भारत सबसे बड़ा दोषी है? बिल्कुल नहीं। चीन, यूरोप, मैक्सिको और वियतनाम जैसे देशों के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा भारत से कई गुना अधिक है। फिर भारत पर इतना हंगामा क्यों?

रक्षा व्यापार में भारत–अमेरिका ने लंबी दूरी तय की

साल 2000 में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार लगभग शून्य था। लेकिन 2024 तक यह बढ़कर 22 बिलियन तक पहुंच चुका है। क्या इसे भी 'एकतरफा नुकसान 'कहा जाएगा?

भारत ने टैरिफ घटाए, लेकिन 'सस्ती बिक्री 'नहीं करेगा

भारत ने कई क्षेत्रों में टैरिफ घटाए हैं - खास तौर पर टेक्नोलॉजी, मेडिकल उपकरण और डिफेंस में। लेकिन भारत के पास भी अपने किसान, छोटे उद्योग और लोकल इकोनॉमी की सुरक्षा करने का हक़ है - जैसा कि अमेरिका खुद करता है। ट्रंप अमेरिका में Buy American और America First की बात करते हैं, तो भारत अगर अपने स्थानीय हितों को प्राथमिकता देता है, तो उन्हें समस्या क्यों?

रूस से तेल और हथियार खरीदने का मुद्दा

ट्रंप ने ये भी कहा कि भारत रूस से ज्यादा तेल और हथियार खरीदता है। लेकिन यह भारत की रणनीतिक नीति का हिस्सा है, जो दशकों पुराना है। साथ ही, भारत अब अमेरिका से भी हथियार खरीदने लगा है - यह बात ट्रंप भूल गए?

रूस से डिफेंस खरीद – ट्रंप को याद दिला दें इतिहास

ट्रंप शिकायत करते हैं कि भारत रूस से हथियार और तेल खरीदता है।

सवाल ये है - क्या ये अभी शुरू हुआ?

जवाब है नहीं- भारत दशकों से रूस से डिफेंस डील करता आ रहा है। लेकिन क्या ट्रंप के कार्यकाल में भारत ने अमेरिका से कुछ नहीं खरीदा?

2000 में भारत-अमेरिका डिफेंस ट्रेड लगभग शून्य था।

2024 तक ये आंकड़ा 22 बिलियन को पार कर गया है।

यानि जब वो राष्ट्रपति थे, तब भी भारत ने अमेरिकी हथियार खरीदे। अब वो उसी भारत को गुनहगार ठहरा रहे हैं?

अगर इतना नुकसानदेह था रिश्ता, तो ट्रंप ने क्यों नहीं तोड़ा?

ट्रंप 2017-2021 तक राष्ट्रपति थे। अगर भारत के साथ व्यापारिक रिश्ता एकतरफा आपदा था, तो उन्होंने इसे खत्म क्यों नहीं किया? क्योंकि सच्चाई यह है कि उनकी खुद की सरकार भारत के साथ व्यापार और डिफेंस संबंधों को मज़बूत कर रही थी। ट्रंप भारत आए, 'नमस्ते ट्रंप 'हुआ, उन्होंने मोदी की तारीफें कीं, डील साइन की, अब विरोध क्यों?

बागेश्वर बाबा बोले- मंदिरों और मस्जिदों में राष्ट्रगीत बजे, फिर पता चलेगा- कौन मातृभूमि से प्यार करता है, और कौन नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भोपाल– बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 7 नवंबर से 16 नवंबर तक दिल्ली से वृंदावन तक लगभग 170 किलोमीटर लंबी 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' निकालेंगे। इस बीच उन्होंने कहा है कि जब तक मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण विराजमान नहीं हो जाएंगे हम संघर्ष करते रहेंगे। यह तो केवल झांकी है, असली फिल्म तो बाकी है। सनातनियों को एकजुट करने के लिए यह हमारा अभियान है। वहीं आगे उन्होंने कहा है कि मंदिरों और मस्जिलों में भी राष्ट्रगीत बजे, तो पता चलेगा कि कौन मातृभूमि से प्यार करता है, और कौन नहीं...

साधु-संतों की बैठक में बनी यात्रा की रूपरेखा

सोमवार को वृंदावन स्थित कृष्ण कृपा धाम आश्रम में हुई बैठक में 200 से अधिक साधु-संत और महंत शामिल हुए। बैठक में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज, बीजेपी सांसद मनोज तिवारी समेत देशभर से आए संत मौजूद रहे। इसमें यात्रा की रूपरेखा, अनुशासन और धार्मिक मर्यादाओं को लेकर चर्चा की गई।

16 नवंबर को वृंदावन पहुंचेगी पदयात्रा

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह दस दिवसीय पदयात्रा पूरी शालीनता और सांस्कृतिक गरिमा के साथ निकाली जाएगी। यात्रा 16 नवंबर को वृंदावन पहुंचकर समाप्त होगी। समापन श्री ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के दर्शन के बाद होगा। शास्त्री ने कहा कि यह यात्रा सिर्फ धार्मिक नहीं बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है। इसका मकसद सनातनियों को एकजुट करना और ब्रज क्षेत्र में मांस-मदिरा की बिक्री पर रोक, यमुना शुद्धिकरण तथा धार्मिक स्थलों पर राष्ट्रगीत गूंजने जैसे संकल्प पूरे करना है। उन्होंने कहा कि 'मंदिरों और मस्जिदों में राष्ट्रगीत का वादन होना चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौन मातृभूमि से प्रेम करता है और कौन नहीं।'

विशाल जनसमर्थन की उम्मीद

आयोजकों के मुताबिक इस यात्रा में लाखों श्रद्धालुओं और देशभक्तों की भागीदारी होगी। शास्त्री ने कहा कि यह पदयात्रा इतनी विशाल होगी कि 'न कभी देखी गई होगी और न सुनी गई होगी।'

मराठा आंदोलन पर हाईकोर्ट सख्त, पुलिस ने शुरू की कार्रवाई; जरांगे ने कहा- 5000 लोग ही रुकेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई के आजाद मैदान में मराठा आरक्षण को लेकर चल रहा आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद पुलिस ने मंगलवार दोपहर तक आजाद मैदान खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बीच आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे पाटिल ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि अब आंदोलन स्थल पर सिर्फ 5000 प्रदर्शनकारी ही रुकेंगे और बाकी लोग मुंबई से बाहर जाएंगे। पुलिस की कार्रवाई के बीच मनोज जरांगे ने अपने समर्थकों से अपील की कि जो लोग गाड़ियों से मुंबई आए हैं वे अब लौट जाएं और केवल निर्धारित संख्या में लोग आंदोलन स्थल पर मौजूद रहें। उन्होंने दोहराया कि वे मुंबई तभी छोड़ेंगे जब सरकार उनकी मांगे मानेगी। उन्होंने कहा, ''हम अपनी जान दे देंगे लेकिन मुंबई नहीं छोड़ेंगे, आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा।''

पुलिस की कार्रवाई और हाईकोर्ट का निर्देश

दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि आजाद मैदान में हो रहा मराठा आरक्षण आंदोलन कई नियमों का उल्लंघन कर रहा है। कोर्ट ने यह भी बताया कि यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण नहीं रहा। पुलिस ने सिर्फ 5000 लोगों को इकट्ठा होने की अनुमति दी थी, लेकिन मैदान में 35,000 से ज्यादा लोग पहुंच गए, जिससे सीएसटीएम, मरीन ड्राइव और पी. डी'मेलो रोड जैसी जगहों पर ट्रैफिक जाम हो गया। इन सब कारणों की वजह से कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि मंगलवार दोपहर 3 बजे तक आजाद मैदान खाली कराया जाए। उधर, मनोज जरांगे पाटिल के समर्थकों ने कोर्ट के इस फैसले को चुनौती देने की बात कही है। आंदोलन के आयोजक वीरेंद्र पवार ने बताया कि उनके वकील सतीश मानेशिंदे अदालत में आंदोलनकारियों की तरफ से दलील रखेंगे। उनका कहना है कि आंदोलन शांतिपूर्वक चल रहा था और उन्होंने प्रदर्शन की अनुमति बढ़वाने की कोशिश भी की थी, लेकिन पुलिस ने इसे मंजूरी नहीं दी।

पुलिस का रुख सख्त लेकिन अपील भी जारी

मुंबई पुलिस का कहना है कि उन्होंने मनोज जरांगे पाटिल को पहले ही नियमों का उल्लंघन करने पर नोटिस दे दिया था। पुलिस की ओर से आंदोलनकारियों से बार-बार अपील की गई है कि वे शांतिपूर्वक आजाद मैदान खाली कर दें। प्रशासन की कोशिश है कि बिना किसी तनाव या जबरदस्ती के, बातचीत और समझदारी से यह मामला सुलझाया जाए। जरांगे पाटिल ने मंच से साफ शब्दों में कहा कि ''अगर सरकार मराठा समाज का सम्मान करेगी तो हम भी सरकार का सम्मान करेंगे।'' साथ ही उन्होंने अपने समर्थकों से शांति बनाए रखने और किसी भी प्रकार की हिंसा से दूर रहने की अपील की।

क्या है जरांगे की मांग?

मनोज जरांगे पाटिल की मांग है कि मराठा समाज को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की श्रेणी में लाकर 10% आरक्षण दिया जाए। उनका कहना है कि खासतौर पर मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठों को ''कुंभी''जाति के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए, जिससे उन्हें ओबीसी के फायदे मिल सकें। इसके लिए वे चाहते हैं कि महाराष्ट्र सरकार इस पर एक सरकारी आदेश (G R) जारी करे ताकि यह व्यवस्था कानूनी रूप से लागू हो सके।

प्रदर्शन की अनुमति और भीड़ का आंकड़ा

पुलिस ने मराठा आंदोलन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी थी और कहा था कि इसमें ज्यादा से ज्यादा 5000 लोग ही शामिल हो सकते हैं। लेकिन असल में आंदोलन में करीब 35,000 से 45,000 लोग आ गए। इतने ज्यादा लोगों के एक साथ आने से दक्षिण मुंबई के कई इलाकों में भारी ट्रैफिक जाम लग गया और आम लोगों को काफी परेशानी हुई। आंदोलनकारियों ने सिर्फ आजाद मैदान में ही नहीं, बल्कि उसके आस-पास की सड़कों जैसे सीएसटीएम, मरीन ड्राइव और पी डी'मेलो रोड तक कब्जा कर लिया था, जिससे हालात और बिगड़ गए।

गरीबी जात नहीं देखती - आरक्षण का आधार केवल आर्थिक स्थिति हो 78 साल बाद भी जातिगत आरक्षण की प्रासंगिकता पर सवाल

भारत आज़ादी के 78 वर्ष पूरे कर चुका है। यह वह समय है जब हमें गंभीरता से आत्मचिंतन करना चाहिए कि संविधान निर्माताओं ने आरक्षण की व्यवस्था क्यों दी थी और आज यह किस दिशा में जा रही है। डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित संविधान सभा के महान विचारकों ने आरक्षण को एक सामाजिक न्याय और समान अवसर का साधन माना था। उद्देश्य था– सदियों से शोषित, वंचित और हाशिए पर पड़े समाज को मुख्यधारा से जोड़ना, ताकि वे शिक्षा और रोजगार में बराबरी से भाग ले सकें।लेकिन आज सवाल यह है कि क्या आरक्षण अपने मूल उद्देश्य में सफल हुआ है? क्या अब भी वही वर्ग, वही परिवार, और वही लोग बार-बार इसका लाभ उठा रहे हैं, जबकि वास्तविक जरूरतमंद आज भी वंचित हैं?

गरीबी जात देखकर नहीं आती

गरीबी न किसी धर्म को देखती है, न किसी जात को। यह हर वर्ग में मौजूद है। आज भी उच्च जातियों के लाखों परिवार बेहद दयनीय स्थिति में जी रहे हैं। दूसरी तरफ, कुछ जातियों के विशेष वर्ग ऐसे भी हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति आरक्षण का लाभ पाकर पहले ही मजबूत हो चुकी है, लेकिन फिर भी वे लगातार इसी व्यवस्था के संरक्षण में फल-फूल रहे हैं।यह स्थिति आरक्षण के मूल उद्देश्य पर सवाल खड़ा करती है। यदि लक्ष्य गरीब और पिछड़े को उठाना था, तो फिर मापदंड जाति क्यों, आर्थिक स्थिति क्यों नहीं?

शिक्षा पर हो फोकस, नौकरी पर नहीं

आरक्षण का सबसे बड़ा लाभ शिक्षा क्षेत्र में होना चाहिए। जब गरीब बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, किताबें, छात्रवृत्ति, कोचिंग और तकनीकी साधन मिलेंगे तभी वह अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ सकेगा।लेकिन हकीकत यह है कि आरक्षण का अधिकतम उपयोग सरकारी नौकरियों में किया जा रहा है। इससे योग्यता और प्रतिस्पर्धा पर आघात होता है।यदि आरक्षण शिक्षा तक सीमित हो और नौकरी पूरी तरह से योग्यता के आधार पर दी जाए, तो न केवल व्यवस्था पारदर्शी बनेगी बल्कि समाज का हर वर्ग सक्षम भी होगा।

एक बार लाभ, तो अगली पीढ़ी बाहर

आरक्षण को स्थायी सुविधा नहीं बनाया जाना चाहिए। यदि किसी परिवार ने आरक्षण के माध्यम से नौकरी, पद अथवा आर्थिक लाभ पा लिया है और उसकी स्थिति सुधर गई है, तो उस परिवार की अगली पीढ़ी को आरक्षण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। आरक्षण का लाभ बार-बार एक ही परिवार तक सीमित रहने से वही वर्ग और सशक्त होता है, जबकि असली गरीब और जरूरतमंद पिछड़ जाते हैं।यदि यह प्रावधान लागू हो कि– "एक बार आरक्षण का लाभ, तो अगली पीढ़ी बाहर" –तो आरक्षण का फायदा लगातार नए वंचित परिवारों तक पहुँचेगा। यही सामाजिक न्याय की असली भावना होगी।

समान अवसर ही सच्चा न्याय

लोकतंत्र का सार यही है कि हर नागरिक को बराबरी का अवसर मिले। जातिगत आरक्षण से समाज में विभाजन की खाई और गहरी होती है। एक वर्ग को लगता है कि उसे केवल जाति की वजह से अवसर से वंचित किया जा रहा है, जबकि दूसरे वर्ग को बिना योग्यता भी अवसर मिल रहे हैं।इससे असंतोष बढ़ता है और सामाजिक एकता कमजोर होती है।आर्थिक आधार पर आरक्षण ही वह रास्ता है जो गरीब को जाति की परिभाषा से ऊपर उठाकर बराबरी का हक दिला सकता है।

आज़ादी के 78 साल और अभी भी वही सवाल

भारत आज स्वतंत्रता के 78 वर्ष पूरे कर चुका है। इतने लंबे समय बाद भी यदि वही समाज, वही जातियाँ और वही परिवार अब भी आरक्षण की बैसाखियों पर खड़े हैं, तो यह आरक्षण की सफलता नहीं बल्कि उसकी असफलता है। संविधान सभा ने आरक्षण को स्थायी व्यवस्था नहीं, बल्कि अस्थायी उपाय के रूप में सोचा था। परंतु आज यह स्थायी राजनीतिक हथियार बन गया है। हर चुनाव में जातिगत आरक्षण को मुद्दा बनाया जाता है और वोट बैंक की राजनीति हावी रहती है।अब यह गंभीर सवाल है कि– "क्या आरक्षण ने वास्तव में समाज को बराबरी पर खड़ा किया है, या केवल कुछ वर्गों और परिवारों को सशक्त बनाने का साधन बन गया है?"

राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत

सभी जानते हैं कि जातिगत आरक्षण वोट बैंक की राजनीति का सबसे बड़ा हथियार है। यही कारण है कि आर्थिक आधार पर आरक्षण की चर्चा होते हुए भी यह नीति पूरी तरह लागू नहीं हो पाई। यदि भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र की ओर ले जाना है, तो राजनीतिक दलों को जातिगत सोच से ऊपर उठना होगा। आरक्षण को शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोज़गार तक सीमित करके केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँचाना ही सही दिशा होगी।

समाधान क्या हो?

1. आरक्षण का आधार केवल आर्थिक स्थिति बने।
2. आरक्षण शिक्षा और अवसरों तक सीमित हो, नौकरी में नहीं।
3. एक बार लाभ पाने वाले परिवार की अगली पीढ़ी को बाहर किया जाए।
4. गरीब विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ।
5. राजनीति में आरक्षण का दुरुपयोग बंद हो।

गरीबी जाति-धर्म की मोहताज नहीं। वह हर घर में दस्तक देती है। अब समय है कि आरक्षण की परिभाषा बदली जाए। इसे जातिगत ढाँचे से बाहर निकालकर आर्थिक आधार पर, शिक्षा और अवसरों तक सीमित किया जाए।एक बार लाभ पा चुके परिवार को इसका हकदार न मानकर नए-नए वंचित परिवारों तक आरक्षण पहुँचाया जाए। तभी यह व्यवस्था अपने असली उद्देश्य को पूरा करेगी और भारत वास्तव में सामाजिक समानता की ओर बढ़ेगा। आरक्षण राजनीति का हथियार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का साधन बने–यही आज़ादी के 78 वर्षों बाद इस लोकतंत्र की असली आवश्यकता है।

बृजभूषण तिवारी

भारत की संतुलित विदेश नीति का नया अध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा को लेकर इन दिनों पूरी दुनिया की निगाहें भारत और चीन के रिश्तों पर टिकी हुई हैं। यह यात्रा महज़ एक बहुपक्षीय सम्मेलन में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि बदलते अंतरराष्ट्रीय हालात में भारत की रणनीतिक दिशा और उसकी स्वतंत्र विदेश नीति का अहम संकेत भी देती है। भारत आज जिस दौर से गुज़र रहा है, उसमें अमेरिका और चीन दोनों ही उसके लिए अवसर और चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में मोदी की यह चीन यात्रा न केवल शंघाई सहयोग संगठन के दायरे में सहयोग की संभावना तलाशने की कोशिश है, बल्कि यह अमेरिका को भी एक अप्रत्यक्ष संदेश देती है कि भारत किसी एक ध्रुव पर पूरी तरह आश्रित रहने को तैयार नहीं है। पिछले दिनों अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ़ लगा दिया है। 27 अगस्त से लागू हुए इस फैसले के तहत भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ़ जोड़ दिया गया, जिससे कुल दर लगभग पचास प्रतिशत हो गई। इस कदम से भारत के छोटे कारोबारियों, किसानों और निर्यातक उद्योगों पर सीधा दबाव पड़ा है। मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा करेगा और किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उनका यह बयान घरेलू राजनीति से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी संदेश देता है कि भारत अमेरिका का जूनियर पार्टनर नहीं बनेगा। यह वही भारत है जिसने रूस से सस्ते तेल की खरीद अमेरिका की नाराज़गी के बावजूद जारी रखी और अब जब टैरिफ़ युद्ध का सामना कर रहा है, तब भी वह अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पर अडिग है। दूसरी ओर चीन के साथ भारत के रिश्ते जटिल और पेचीदा रहे हैं। सीमा विवाद, गलवान की घटना और एशिया में प्रभाव की प्रतिस्पर्धा ने दोनों देशों के बीच गहरा अविश्वास पैदा किया है। इसके बावजूद आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग की ज़रूरत दोनों को एक-दूसरे से बातचीत की तरफ धकेलती रही है। यही कारण है कि मोदी की तियानजिन यात्रा पर चीनी मीडिया ने सकारात्मक टिप्पणी की है। चीन के सरकारी अख़बार 'चाइना डेली' ने इस यात्रा को भारत-चीन संबंधों को नया मोमेंटम देने का प्रयास बताया। अख़बार का कहना है कि अमेरिका की एकतरफा टैरिफ नीतियों के बीच भारत के लिए चीन के साथ सहयोग को प्रतिद्वंद्विता के बजाय साझेदारी के रूप में देखना अधिक व्यावहारिक होगा। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अमेरिका के फैसले को भारत के लिए बड़ा झटका कहा और मोदी के उस वादे को प्रमुखता से छापा जिसमें उन्होंने छोटे कारोबारियों और किसानों की सुरक्षा की बात कही।चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि शिखर सम्मेलन में कनेक्टिविटी, गैर-खेती व्यापार, पर्यावरणीय सहयोग और लोगों के बीच संपर्क जैसे मुद्दों पर सहमति बनने की संभावना है। इन क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ हो सकता है और साथ ही एशिया की स्थिरता में भी योगदान दिया जा सकता है। हांगकांग बेपटिस्ट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता अर्जुन चटर्जी ने लिखा कि अगर भारत और चीन इन विषयों पर साथ आएं तो उनके बीच व्यावहारिक साझेदारी का नया अध्याय शुरू हो सकता है। इस यात्रा का एक और दिलचस्प पहलू है–अमेरिका के लिए अप्रत्यक्ष संदेश। चीन की राष्ट्रवादी वेबसाइट गुआंचा ने लिखा कि भारत चीन से रिश्ते सुधारकर अमेरिका के साथ अपनी सौदेबाज़ी क्षमता बढ़ाना चाहता है। यह बात काफी हद तक सही भी है। भारत जानता है कि अगर वह केवल अमेरिका पर निर्भर रहेगा तो उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी। इसलिए वह चीन और रूस जैसे साझेदारों से भी अपने रिश्ते सुधारकर संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है। यह नीति भारत को लचीलापन देती है और वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति को मज़बूत बनाती है। मोदी सरकार की विदेश नीति का मूल तत्व यह है कि भारत किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल नहीं होगा। चाहे वह रूस से तेल की खरीद का मामला हो, चीन से संवाद बनाए रखने की पहल हो या अमेरिका के साथ तकनीकी और रक्षा सहयोग को बढ़ाने का सवाल–भारत हर जगह अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखता है। यही नीति भारत को गुटनिरपेक्ष आंदोलन की विरासत से जोड़ती है लेकिन एक आधुनिक और आत्मविश्वासी अंदाज़ में। अब यह केवल गुटनिरपेक्षता नहीं, बल्कि सक्रिय बहु-संरेखण की नीति है। एशिया की राजनीति में भारत की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। शिखर सम्मेलन जैसे मंच पर भारत और चीन आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी जैसे मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। अगर दोनों देश न्यूनतम विश्वास बहाली कर लें तो पूरे एशियाई क्षेत्र में पश्चिमी देशों की पकड़ कमजोर हो सकती है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह एक पुल की भूमिका निभाते हुए पूर्व और पश्चिम दोनों ध्रुवों को जोड़ने का काम करे। मोदी की चीन यात्रा को केवल औपचारिक उपस्थिति मानना गलत होगा। यह यात्रा भारत की संतुलित विदेश नीति का ऐलान है। एक तरफ भारत अमेरिका के साथ साझेदारी जारी रखेगा लेकिन दूसरी तरफ चीन के साथ भी व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश करेगा। इस तरह भारत न तो पूरी तरह किसी एक ध्रुव की तरफ झुकेगा और न ही किसी दबाव में आएगा। बल्कि, वह अपनी स्वतंत्र कूटनीति के आधार पर दोनों से अधिकतम लाभ उठाने का प्रयास करेगा। अंततः इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है। भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक आत्मविश्वासी शक्ति है जो अपनी शर्तों पर दुनिया से संबंध बनाना चाहती है। अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत उसके दबाव में झुकने वाला नहीं है और चीन को यह मानना होगा कि भारत केवल प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी भी हो सकता है। इस संतुलनकारी नीति के जरिये भारत न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा बल्कि वैश्विक राजनीति में भी एक नई पहचान गढ़ेगा।

मोदी की चीन यात्रा इसी संतुलनकारी नीति का प्रतीक है। यह अमेरिका को अप्रत्यक्ष चेतावनी है कि भारत वैकल्पिक साझेदारियाँ तलाश सकता है और चीन को स्पष्ट संकेत है कि व्यावहारिक सहयोग दोनों के लिए फायदेमंद हो सकता है। कूटनीति की इस बिसात पर भारत ने चाल चल दी है। अब देखना यह होगा कि दुनिया की बाकी ताक़तें इस खेल को किस तरह पढ़ती हैं और आने वाले वर्षों में भारत किस तरह अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को मज़बूती से कायम रखता है।

महेन्द्र तिवारी

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
मो.9455715061,8896344970

१.मेष- आज पूरानी योजना फलीभूत होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। मतभेद समाप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य में प्रगति होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। समय आपके पक्ष में है।

२.वृष- परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें।

३.मिथुन- स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बुद्धि व ज्ञान की वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। बड़ों की बात मानें, लाभ होगा। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। जोखिम न लें। आलस्य रहेगा।

४.कर्क- आज पूरा दिन दौड़धूप अधिक होगी। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। घर-बाहर तनाव रहेगा। शांति बनाए रखें। अधिक प्रयास करने से लाभ होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

५.सिंह- विवाद को बढ़ावा न दें। उत्तेजना पर नियंत्रण आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। घर में अशांति रहेगी। कुसंगति से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है, धैर्य रखें।

६.कन्या- आज उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। दूसरों के काम की जवाबदारी न लें। प्रयास भरपूर करें, लाभ होगा। वरिष्ठजनों से मेल-मुलाकात होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

७.तुला- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा से लाभ होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम उठाने व जल्दबाजी करने से बचें।

८.वृश्चिक- रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बाहरी-भीतरी मतभेद समाप्त होने से प्रसन्नता रहेगी।

९.धनु- इन दिनों भाई व पार्टनर से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। रोजगार में वृद्धि होगी। परिवार में कोई मंगल कार्य हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

१०.मकर- आज के दिन में साधनों पर अतिव्यय हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बोलचाल में हल्की मजाक न करें। घर-बाहर तनाव रह सकता है। कार्यकुशलता में कमी रहेगी। कोई बड़ी गलती हो सकती है। अपरिचितों पर विश्वास न करें।

११.कुंभ- तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। आय के नए स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

१२.मीन- आज आपको पूरा मेहनत का फल मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आय में वृद्धि होगी। कोई बड़ी समस्या का हल मिलेगा। मित्र व संबंधी सहयोग करेंगे। घर के बड़ों की चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान पक्ष तरक्की करेगा।

संपादकीय

मादक पदार्थो की गिरफ्त में ग्रामीण अंचलो की नवपीढ़ी

आधुनिकता के इस युग मे हम बेशक चांद पर जिंदगी बसरने की ओर है जा रह है किंतु हमारी नवपीढ़ी किस ओर जा रही है इस पर भी गहन चिंतन मनन करना आज सभी वर्ग के लोगो को आवश्यक है। यदि आज चिन्तन मनन नही किया गया नवपीढ़ी के भटकाव पर तो यह हमारे सभ्य समाजो के लिए बहुत ही घातक भरा कदम होगा ! वर्तमान में महानगरो से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलो तक मे नवपीढ़ी के किशोर तरुण युवाओं के रहन सहन आचार विचार और व्यवहार में आज जो बदलाव देखने में आया है वह कभी कभी भयावना सा लगने लगता है। आज यह कहते हुए बहुत दुख होता है कि हमारे देश की आधी से ज्यादा नवपीढ़ी के किशोर बालक बालिकाएं नशे की लत का शिकार होते जा रहे है। इस कडवी सच्चाई को हर वर्ग हर धर्म के लोगो को स्वीकारना होगा और कोई यह दावा नही कर सकता कि उसका समाज या वर्ग नशे की लत से कोसो दूर हैं। किशोर तरुण युवाओं का नशे की लत में गिरफ्त होना न सिर्फ महानगरो या नगरों तक ही आज सीमित नही रह गया है बल्कि मादक पदार्थ दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तककी युवा नवपीढ़ी की नसों को बड़ी तेजी से खोखले करते जा रहे है। इसे इस देश की विडंबना कहे या फिर दुर्भाग्य कहा जाये कि देश व प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में आज भी जहां सामान्य पेट दर्द या बुखार की एक गोली भी मिलना मुश्किल हो जाता हे उन्हीं ग्रामीण अंचलों में मादक पदार्थो की हर वस्तु अफीम गांजा चरस हेरोईन कोकीन और नशे के इंजेक्शन केप्सूल आदि प्रतिबन्धित मादक पदार्थ मिलना बड़ा आसान हे जिसके चलते आज यह देश का यह दुर्भाग्य बन गया हे कि आज देश का हर तीसरा युवा नशे का आदि होता जा रहा है ? नवपीढ़ी के युवाओं के मादक पदार्थो के प्रति बढ़ते आकर्षण का मुख्य कारण मोबाइल भी बनता जा रहा है। अमूमन आज देश के घर घर मे छोटे छोटे बच्चों के हाथों में मोबाईल रहता है। अधिकांश शहरी लोग व शिक्षित माता पिता तो चार छह महीने की उम्र से ही शांत रखने के लिए बच्चो को ही हाथों में मोबाईल थमा देते है। आज बच्चो को मोबाइल की लत सी हो गई है जब तक उनके हाथों में मोबाईल नही आ जाये ओर उनकी जिज्ञासाएं शांत नही हो जाये तब तक आप उनके व्यवहार को देखिए कैसे बदला हुआ सा रहता है। मोबाइल के फब्जी जैसे गेम या अश्लील वीडियो चेटिंग बच्चों की कच्ची उम्र में कामुकता बढ़ाने का काम करते है। कच्ची उम्र में बढ़ती कामुकता को शांत करने के लिए नवपीढ़ी के अधिकांश किशोर बालक बालिकाएं मादक पदार्थो की ओर आकर्षित होकर अपना जीवन शुरू होने के पहले ही खत्म कर लेते है।आज देश मे मादक पदार्थो की वहज से अपराधों में बड़ी तेजी आती जा रही है। इन्ही मादक पदार्थो ओर मोबाईल ने आज न केवल महानगरीय या नगरीय बल्कि उन दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में भी जो कभी किसी की भी बेटी को अपनी व अपने गांव की बेटी मानकर उसके मान सम्मान की रक्षा करते थे आज उन ग्रामीण अंचलों में भी मानसिकताएं मादक पदार्थो ओर मोबाइल के चलते इतनी विकृत हो गई है कि उनके अपने ही घर आंगन में छोटी छोटी मासूम बच्चिया बिना पहरे के निर्भीक होकर नही खेल सकती है।मादकता के खोफ के चलते लोहे के पंजरो में कैद होकर सिकुड़ते बचपन की मानसिकता को मोबाईल विकृति कर रहा है। हम सभी को मिलकर मादक पदार्थो व मोबाईल की मादकता से नव पीढ़ी को बचाने का एक ईमानदारी पूर्वक सार्थक कदम उठाना होगा तभी चांद पर जिंदगी जीना सार्थक होगी ?

अरविन्द रावल

महिलाओं को आगे बढ़ाने भगीरथ प्रयास क्यों नही

बालिकाएं उच्च शिक्षा की हकदार।

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से प्रासंगिक हो गया हैद्य स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी हैद्य आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही हैद्य आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम हैद्य वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैद्य भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर हैद्य विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही हैद्य अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही हैद्य यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद होना पड़ा थाद्य इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी संपूर्ण योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएंद्य भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही हैद्य इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैंद्य सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50% भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

संजीव ठाकुर

दलगत राजनीति से उपर उठकर भारत के विकास में सहयोग करे राजनैतिक पार्टियां

इस भारत का जनमानस समझ रहा है कि राजनीति और प्रशासन के लिए अब पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति ने भी आवाज लगा दी है। अनेक कारण हैं जिसमें सबसे प्रमुख है नेताओं का स्वार्थ की हर सीमा को लांघ जाने के अनेकानेक उदाहरण प्रस्तुत करना। आज भारत के राजनीतिक पटल पर अपना पुश्तैनी अधिकार मानने वाला खेमा सत्ता से बाहर हो गया है। उनमें हताशा ही नहीं है, उन्हें अपना भविष्य भी अंधकारमय दिखाई देता है। देश के 18 राजनीतिक दल चुनाव आयोग से ईवीएम मशीनों को हटाने की मांग करते रहते है। भारत का नागरिक अब अपने अनुभव से उन्हें तथा उनकी करतूतों को पहचान गया है। अब हर नेता परिवारवाद तथा भ्रष्टाचार से दूर हुआ है और होना ही पड़ेगा। जनता ने नरेन्द्र मोदी और आदित्यनाथ योगी को शिखर पर बैठाकर इसे राजनीति के पंडितों के समक्ष उजागर किया है। अब आधुनिक सामंतशाही भी नहीं चलने वाली है। नेताओं की सुरक्षा के नाम पर नागरिकों को लगातार यह दिखाया जाता रहा है कि नेता और अधिकारी उनसे कितने ऊंचे हैं, कि लाल नीली बत्ती वाले कितने श्रेष्ठ हैं ! लेकिन मोदी ने लाल पीली बत्ती को हमेशा के लिए बुझा दी है।देश मे सत्ता परिवर्तन के बाद लोगो को सिस्टम पर भरोसा होता दिखाई दे रहा है।इसके पूर्व सरकार की आलोचना की भरमार थी।लोगो को धक्केशाही ने हैरान कर दिया था।आधुनिकीकरण के बढ़ते जज्बे ने सरकार पर पूर्णरूप से भरोसा जताना शुरू कर दिया है।अब नागरिक यह सोच रहे है कि भ्रष्टाचार हावी है,लेकिन जनता के कार्य समय पर हो रहे है।सरकार का सबसे नीचे का कर्मचारी भी अधिकारी होता है। अपनी इस विशिष्ट स्थिति को वह सदा याद रखता है। हर अफसर चाहता है कि 'नागरिक' उसके बड़प्पन को सदा याद रखे। इस सरकारी अहंकार में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है। कई बार वीआइपी के लिए रोके गए रास्ते के कारण एम्बुलेंस समय पर अस्पताल नहीं पहुंच सकी और मौतें हुई। जनता अब इस प्रकार के बड़प्पन के प्रदर्शन को सीधे भ्रष्टाचार तथा कदाचरण से जोड़ती है।कांग्रेस का वोटचोरी का आरोप कांग्रेस को भी नही भा रहा है।कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कहा कि कांग्रेस की ऐसी ही धांधली के कारण 1991 में सिद्धारमैया ग्यारह हजार वोट से चुनाव हार गए थे।उसी परिपाटी पर कांग्रेस फिर से चल रही है।मोदी विदेश यात्रा में मशगूल है।रविवार को शंघाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।भाजपा और चुनाव आयोग ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि कांग्रेस सबूत रहित बेबुनियाद बात नही करे।कांग्रेस जिस मुद्दे को लेकर भुनाने निकली है।उससे राजनीति के गलियारों में क्या फर्क पड़ता है यह तो चुनाव आने के बाद ही पता चलेगा।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। नोटः-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

निगोहां के डीहा गांव में तालाब में डूबने से मजदूर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के डीहा गांव में सोमवार दोपहर एक दुखद हादसा हुआ। गांव के मनरेगा तालाब के पास शौच के लिए गए 30 वर्षीय मजदूर औसान पानी में डूब गए। हादसा होते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें बाहर निकालकर तत्काल उनके परिवारीजनों की मदद से मोहनलालगंज सीएचसी ले गए।

सीएचसी में उनकी हालत नाजुक देखकर डॉक्टरों ने उन्हें ट्रामा के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद परिवारीजन उन्हें पीजीआई हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहाँ डॉक्टरों ने औसान को मृत घोषित कर दिया।मृतक औसान का घर उतरांवा के मजरा डीहा में है। उनकी पत्नी मिथलेसा कुमारी ने बताया कि उनके पति सोमवार दोपहर गांव के बाहर स्थित मनरेगा तालाब में शौच करने गए थे। अचानक तालाब में डूबने की सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुँची और ग्रामीणों की मदद से उन्हें बाहर निकालकर सीएचसी ले गई। मृतक की दो नन्हीं संतानें हैं। बेटी माही (8) और बेटा आर्यान्श (6)। पिता सुदामा औसान का परिवार इस अनहोनी से बुरी तरह टूट गया है और रो-रोकर अपने प्रियजन की मौत का गम सहने में असमर्थ हैं।ग्रामीणों ने इस हादसे को लेकर तालाब के आसपास सुरक्षा उपायों की आवश्यकता बताई है, ताकि भविष्य में ऐसे दुखद हादसों को रोका जा सके।

पीडीए साइकिल यात्रा पर नगर पहुंचे अंकित यादव का हुआ स्वागत

यूपी के 75 जिलों का साइकिल यात्रा कर पीडीए का संदेश, अंकित यादव

लालगंज (रायबरेली)। कासगंज जनपद के भोपालगढ़ी गांव निवासी युवक अंकित यादव प्रदेशव्यापी पीडीए साइकिल यात्रा पर निकले हैं। वे उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों का भ्रमण कर रहे हैं। सोमवार को यात्रा के दौरान अंकित यादव नगर पहुंचे। जहां विधानसभा अध्यक्ष जेपी यादव की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने बताया कि वह अब तक 62 जिलों का भ्रमण कर चुके हैं। अंकित यादव ने नगर में रात्रि विश्राम किया। मंगलवार की सुबह वे उन्नाव के लिए रवाना होंगे। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पवन पटेल, जिला पंचायत सदस्य अंशू यादव, पिंटू यादव, डॉ दिनेश यादव, रणजीत यादव एडवोकेट, दलित सिंह, भोला यादव, घनश्याम यादव, योगेश, मनीष, राहुल, शाश्वत यादव और अजीत, दिनेश पाल,राम मोहन यादव, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

21वें श्री गणेश महोत्सव में नन्हे-मुन्नों की देशभक्ति प्रतियोगिता

बिसवां सीतापुर 21वें श्री गणेश महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रंखला में शीतला माता मंदिर परिसर में चौथे दिन गजानन महाराज के दरबार में नन्हे-मुन्ने बच्चों की देशभक्ति प्रतियोगिता संपन्न हुई। कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं, गीतों और नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। उनकी मासूम अदाओं और देशप्रेम से भरे उत्साह ने न केवल निर्णायकों को प्रभावित किया, बल्कि उपस्थित श्रद्धालुओं और भक्तगणों को भी राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर कर दिया। महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजन बच्चों में देशभक्ति की भावना जाग्रत करने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होते हैं। प्रतियोगिता के अंत में निर्णायकों ने विजेताओं की घोषणा की और सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया।

शहीद वीर वीरा पासी चौक बदहाल,बाउंड्री वॉल टूटकर बिखर गई

● टेंडर पूरा, फिर भी उपेक्षित रहा वीर वीरा पासी शहीद स्थल

वाहनों की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया शहीद चौंक

स्वतंत्र प्रभात

संदीप कुमार-फिजा

लालगंज (रायबरेली)। नगर पंचायत कार्यालय के ठीक सामने चौक पर बना अमर शहीद वीरा पासी का स्मारक वर्षो से जर्जर हालत में पड़ा है। वाहनों की टक्कर से प्रतिमा स्थल क्षतिग्रस्त हो चुका है। बाउंड्री वॉल टूटकर बिखर गई है। चारो तरफ बाउंड्रीवाल के ऊपर लगी लोहे की बैरिकेटिंग भी गायब हो चुकी है। करीब एक साल पहले युवा नेता धर्मेंद्र सिंह की अगुवाई में स्थानीय लोगों ने इसकी मरम्मत को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद लगभग 20 लाख रुपये की लागत से मरम्मत कार्य प्रस्तावित कर टेंडर प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई। लेकिन अब तक मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहीद स्थल की उपेक्षा से उनकी भावनाएं आहत हो रही हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता दीपेंद्र गुप्ता ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। शहीद चौक बदहाल स्थिति में है जिनको लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा पूर्ण, हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित हुआ भव्य भंडारा

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ,निगोहां के उतरावां स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा का सोमवार को भव्य समापन हुआ। कथा के पूर्णाहुति अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया और श्रद्धालुओं ने भंडारे में पुड़ी, सब्जी, चावल व खीर का आनंद लिया। भंडारे में मुख्य रूप से मोहनलालगंज नगर पंचायत के चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अजय पाण्डेय, सत्यम प्रेस क्लब निगोहां के समस्त पत्रकार और मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष के.पी. सिंह उपस्थित रहे। साथ ही प्रधान संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, विपिन प्रधान, गौतम खेड़ा के पूर्व प्रधान नवनीत सिंह, और भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश स्तर के नेता अनमोल तिवारी सहित क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिकों ने भी भव्य आयोजन में भाग लिया।मंदिर परिसर में जय श्रीराम और भक्ति गीतों की मधुर गूँज सुनाई दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आस्था और आनंद का अनुभव किया।इस पावन आयोजन के मुख्य आयोजक शैलेन्द्र सिंह चौहान रहे, जबकि संपूर्ण व्यवस्था प्रेस क्लब निगोहां के अध्यक्ष विमल सिंह चौहान द्वारा सफलतापूर्वक संचालित की गई। यह भंडारा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना बल्कि क्षेत्र के विभिन्न समुदायों और प्रतिष्ठित जनों को एक साथ जोड़ने का संदेश भी दिया। भक्ति और श्रद्धा के इस आयोजन ने स्थानीय लोगों के हृदय में भगवान श्रीराम के प्रति विश्वास और आस्था को और गहरा किया।

दो जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से विद्युत उपकरण जलकर हुए राख

महराजगंज/ रायबरेली बीती रात हुई तेज बारिश व बादलों की गड़गड़ाहट के बीच कस्बा सहित क्षेत्र के दो जगहों पर आकाशीय बिजली गिरी जिसमें विद्युत उपकरण सहित अनेक इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब हो गए हैं। बताते चलें कि बीती रात लगभग 2ः00 बजे आई तेज बारिश व बादलों की गड़गड़ाहट के बीच कस्बा के मेन तिराहे पर स्थित अनिल कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय हनुमान प्रसाद गुप्ता की छत पर आकाशीय बिजली गिर गई। जिसमें छत का छज्जा टूट कर नीचे गिर गया। तो वहीं घर में लगे पंखे एसी व एमसीबी सहित अनेक उपकरण जलकर खाक हो गए, तो वहीं क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला गांव निवासी मुख्तार अहमद के घर पर गिरी आकाशीय बिजली से घर में लगी एसी व अनेक विद्युत उपकरण जलकर खाक हो गए और दोनों जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से परिवार सहित पूरा गांव पूरी रात दहशत के माहौल में सहमा रहा।

सीतापुर में विवाहिता का आरोप- रास्ते की रंजिश में दबंगों ने घर में घुसकर किया दुष्कर्म

● बेटे की गर्दन पर चाकू रख कर जान से मारने की धमकी देते हुए दुष्कर्म करने का आरोप

थाने पर नही हुई सुनवाई तो एसपी से लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर (ब्यूरो) तंबौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी विवाहित महिला ने गांव के ही तीन दबंग किस्म के युवकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि 27 अगस्त की रात वह अपने घर में अकेली बच्चों के संग सो रही थी, तभी गांव के ही निवासी अनुज, कमलेश और कंधई नामक युवक उसके घर में जबरन घुस आए और उसे उठा कर दूसरी तरफ ले जाकर मुह में कपड़ा ठूस के बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया।

गौरतलब हो, प्रार्थनी, जो सीधी-साधी और निर्धन गृहिणी है, का कहना है कि विपक्षीगण तरकश, दबंग और असरदार किस्म के लोग हैं। उनके बीच पहले से एक रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था, जिससे वे रंजिश मानते थे। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते ही उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। महिला का आरोप है कि जब उसने शोर मचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके छोटे पुत्र के गले पर चाकू रख दिया और जान से मारने की धमकी देकर उसे चुप करा दिया। इसके बाद तीनों युवक भागने लगे, लेकिन महिला ने हिम्मत दिखाते हुए एक आरोपी को पकड़ लिया और तत्काल 112 नंबर पुलिस को बुलाया। हालांकि, आरोपी जंगला तोड़कर मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर 112 पुलिस गांव पहुंची और छानबीन की, लेकिन नामजद आरोपी अपने घर पर नहीं मिले। पीड़िता का कहना है कि अगले दिन जब उसने तंबौर थाने में तहरीर दी तो उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उलटे, मामले को दबाने और समझौता कराने का प्रयास हुआ।

विवश होकर पीड़िता ने 1 सितम्बर को पुलिस अधीक्षक सीतापुर को शिकायती पत्र सौंपते हुए न्याय की गुहार लगाई है। अब देखना यह होगा कि जिला पुलिस इस गंभीर आरोप पर क्या कदम उठाती है और पीड़िता को न्याय दिला पाती है या नहीं?

कोतवाली प्रभारी ने प्रशस्ति पत्र देकर होमगार्ड को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली विगत माह की भांति इस माह भी 1 सितम्बर 2025 को लोगों के प्रति अच्छा कार्य व्यवहार अच्छी ड्यूटी एवं साफ सुथरा वर्दी से प्रभावित होकर कोतवाली प्रभारी व पी?सी? इंद्रमणि सिंह द्वारा होमगार्ड तेज कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि, प्लाटून कमांडर इंद्रमणि सिंह चौहान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, महीने के 1 तारीख को एक महीने के बेहतर कार्य व्यवहार साफ सुथरा वर्दी तथा समय से ड्यूटी करने के मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव द्वारा हर महीने एक व्यक्ति को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में आज 1 सितंबर को कोतवाली परिसर महराजगंज में होमगार्ड तेज कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर एसआई दिनेश गोस्वामी, दीवान अजय चौधरी, हिमांशू सचान, धर्मेंद्र पांडेय, ज्ञानेंद्र तिवारी, बी.ओ. राजेश कुमार राय, ए.सी.सी. बुध्दिसेन शर्मा, पी.सी छिटई प्रसाद, होमगार्ड राजेश कुमार सिंह, अवधेश कुमार, राम प्रताप यादव, जगदीश गुप्ता, रामदास यादव, देवी दयाल पांडेय, रमापति, धर्मेंद्र मौर्या, रमेश मिश्रा, मनीराम, शिव शंकर, राम प्रकाश, कमलाकान्त, सन्तोष द्विवेदी, शिवकरन यादव, रामप्रताप यादव, मुकेश कुमार यादव, रामराज यादव ,लाल मोहम्मद , दिनेश कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह,रामकुमार सिंह, रमापति बाजपेई, जगदेव मिश्रा ,राम भुवन सिंह, धर्मदास, सुरेश कुमार यादव, छेदीलाल ,रामकुमार यादव, रामयस मौर्य, ईशा मोहम्मद, माताफेर आदि मौजूद रहे।

मान्यता प्राप्त विद्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा आयोजित हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम अपेक्षा से अधिक सफल रहा। सुरियावां में परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कुल115 विद्यालयों के 537 अध्यापकों,और 5894 विद्यार्थियों ने पंच प्रण की शपथ ली। पंच प्रण में ,विद्यालयों को अनुशासित और हरित बनाने,प्रेरणास्पद बनाने,विद्यालय संसाधन की सुरक्षा,संस्कार युक्त शिक्षा ,समर्पण,अनुशासन, और सेवा भाव जागृत करने की प्रतिज्ञा की गई।देश के लगभग 5 लाख से अधिक विद्यालयों में ये कार्यक्रम एक साथ आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जनपद स्तर पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ भदोही के अध्यक्ष और महामंत्री के नेतृत्व में ,इस कार्यक्रम के लिए प्रतीक मालवीय जी को जिला संयोजक,देवेंद्र कुमार मिश्र,सह जिला संयोजक,ज्योति वर्मा,जिला सह संयोजक बनाए गए।ब्लॉक स्तर पर भी संयोजक और सह संयोजक बनाए गए जिनके नेतृत्व में न्याय पंचायत स्तर कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरी ऊर्जा से कार्य किया गया।

तिरंगे के बगल में पाक झंडा लगाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के ईश्वरीगंज मजरे खजूर गांव में एक युवक पर तिरंगे के पास पाकिस्तान का झंडा लगाने का आरोप लगाया गया। गांव निवासी संतोष ने आरोप लगाया कि आरोपी ने तिरंगे से करीब 25 फुट ऊंचा पाकिस्तान का झंडा फहराया। एतराज जताने पर गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायतकर्ता ने पहले फोन के जरिए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने झंडे को उतरवा दिया। बाद में पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने बताया कि आरोपी युवक ने पाकिस्तान का नहीं बल्कि बरावफात को लेकर धार्मिक झंडा लगाया था। शिकायतकर्ता ने भ्रमवश उसे पाक झंडा समझ लिया और पुलिस को सूचना दे दी।

शराब पीकर परिजनों से कहासुनी के बाद युवक ने फांसी लगाकर किया आत्मदाह

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के मदनखेड़ा गांव में रविवार की देर शाम एक युवक का शव फांसी पर लटकता मिला। ग्रामीणों से सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिवारीजनों ने शव को नीचे उतार कर एक निजी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ पर डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों की माने तो मृतक की 6 दिन पूर्व बच्ची हुई थी जिसकी रविवार को छट्ठी थी इस दौरान शराब पीने को लेकर घर मे कहासुनी हुई तो युवक ने फांसी लगा ली।

इसके बाद स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया हैं।दयालपुर का मजरा मदनखेड़ा गांव में रहने वाले राधेलाल ने बताया कि रविवार देर रात तक उसका बेटा शिवम (24) घर नहीं आया तो वह लोग परिवारीजनों के अन्य लोगों के साथ आस पास खोजना शुरू किया तो गांव के तालाब के पास उसका बेटा शिवम एक पेड़ पर साड़ी के फंदे से लटकता मिला। शिवम की सांसे चल रही थी इस दौरान उसे नीचे उतार कर कनकहा में स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहाँ पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिवारीजनों स्थानीय पुलिस को सूचना दी पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवारीजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नही लगाया। हालांकि ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीणों की माने तो मृतक की पत्नी सुमन के 6 दिन पूर्व बच्ची हुई थी जिसकी रविवार को छट्ठी थी इस दौरान शिवम के शराब पीने को लेकर घर मे कहासुनी हुई तो उसने फांसी लगा ली।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेस विज्ञप्ति

● अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा देश भर में पाँच लाख से ज्यादा विद्यालयों में आयोजित हुआ "हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान" संकल्प कार्यक्रम में लाखों शिक्षकों व करोड़ों विद्यार्थियों ने ली पांच संकल्पों की शपथ

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ, 1 सितम्बर 2025- अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वाधान में सोमवार को देश के 5 लाख से अधिक विद्यालयों में "हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान" संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लाखों शिक्षकों एवं करोड़ों विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में पांच संकल्पों की शपथ ली।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर संजय मेधावी ने बताया कि देश के सबसे बड़े शिक्षक संगठन अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से सम्बद्ध राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के सभी बोर्ड्स से मान्यता प्राप्त कक्षा 12 तक के एक लाख से अधिक विद्यालयों में "हमारा विद्यालय- हमारा स्वाभिमान" संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे 1,05,737 विद्यालयों के 3,75,685 शिक्षकों ने एवम् 99,86,924 विद्यार्थियों ने हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान संकल्प की शपथ ली। उन्होंने कहा कि हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान संकल्प शैक्षिक उन्नयन, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकसित भारत 2047 की दिशा में आधार स्तंभ सिद्ध होगा एवं भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के पथ पर अग्रसर करेगा तथा पुरातन गुरु शिष्य परम्परा को पुनर्स्थापित करेगा।

प्रदेश महामंत्री जोगेंद्र पाल सिंह ने बताया कि यह संकल्प कार्यक्रम प्राचीन भारतीय परंपरा में शिक्षा के उद्देश्य का संवाहक एवं संवर्धक बनेगा जिससे चरित्र निर्माण, व्यक्ति निर्माण एवं राष्ट्र के पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा एवं विद्यार्थी व शिक्षक मिल जुल कर शैक्षिक उन्नयन एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पांच संकल्पों की शपथ ली जिसमें मिल जुल कर अपने विद्यालय को स्वच्छ, अनुशासित तथा प्रेरणाप्रद बनाने, विद्यालय के संपदा, संसाधन तथा समय को राष्ट्र धन मानते हुए उनका संरक्षण एवं विवेक पूर्वक उपयोग करने, विद्यालय में ऐसा वातावरण बनाने जहां कोई भेदभाव न हो व सभी समभाव से सीखने और सिखाने के पथ पर अग्रसर रहें, शिक्षा को केवल ज्ञान का माध्यम नहीं अपितु चरित्र निर्माण, आत्म विकास और समाज सेवा का साधन मानकर कार्य करने, विद्यालय को केवल एक संस्था नहीं अपितु संस्कार सेवा और समर्पण का तीर्थ मानते हुए उसका गौरव बढ़ाने हेतु सतत प्रयत्नशील रहने के साथ ही यह दृढ़ संकल्प लिया गया कि "हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ है, हमारी आत्मा का अभिमान है और राष्ट्र निर्माण का आधार है।"

वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर संजय मेधावी, प्रदेश महामंत्री जोगेंद्र पाल सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मला यादव, कोषाध्यक्ष नील मणि शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ अनूप शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष शिव शंकर सिंह, प्रदेश मंत्री डॉ संतोष कुमार शुक्ला, प्रदेश मंत्री प्रदीप कुमार तिवारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजेश श्रीवास्तव, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी डॉ दयाशंकर उपाध्याय, लखनऊ मण्डल अध्यक्ष (प्राथमिक संवर्ग) महेश मिश्र आदि ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों व प्रबुद्ध जनों को बधाई दी व आभार व्यक्त किया है।

बारिश का कहर- मुनव्वर अली का आशियाना ढहा, सात बकरियां भी मलबे में दबीं

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज। रायबरेली रविवार की रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने टूक गांव निवासी मुनव्वर अली के जीवन को पूरी तरह बदल दिया। कच्चा मकान अचानक गिर पड़ा, जिससे मुनव्वर के पैर में गंभीर चोट आई और उनका पूरा परिवार बेघर हो गया। मकान ढहने से न सिर्फ उनके सिर से छत छिन गई, बल्कि घर का सारा सामान, अनाज और उनकी सात बकरियां भी मलबे में दब गई। चीख-पुकार सुनकर गांव के लोगों ने किसी तरह मुनव्वर को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

मुनव्वर की पत्नी ने रोते हुए कहा, ÷हम कहां जाएं? हमारे पास न पैसा है, न घर, न खाने का सामान बचा है।÷ यह बयान उस बेबसी को बयां करता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब लोग प्राकृतिक आपदाओं के समय जूझते हैं।

घटना की जानकारी मिलने पर उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि लेखपाल से रिपोर्ट मांगी गई है और पात्रता के आधार पर आर्थिक सहायता व आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मामले में खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह ने दूरभाष पर बताया कि मामले की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई है घटना दुखद है पीड़ित परिवार को जल्द ही शासन द्वारा मिलने वाला प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराया जाएगा और जो संभव मदद होगी वह की जाएगी।

विश्वनाथगंज को हराकर जीआईसी प्रतापगढ़ बना जिला स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का विजेता

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ में जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कुल 16 टीमों ने प्रतिभाग किया था सभी ही टीमों ने अपने अच्छे खेल कौशल से सभी दर्शकों का मन मोह लिया और प्रतियोगिता में सभी मैचेज काफी टक्कर के हुए ,प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच सराय अनादेव और विश्वनाथगंज के बीच खेला गया बेहद ही कांटे के मुकाबले में विश्वनाथगंज ने मुकाबले को 15/12 13/15 और 8/15 से आपने नाम करके फाइनल में स्थान सुरक्षित किया , दूसरे सेमीफाइनल मैच में जीआईसी प्रतापगढ़ ने स्टेडियम बी को 18/16, 15/9 से अपने नाम करके फाइनल में प्रवेश किया,प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जीआईसी प्रतापगढ़ ने विश्वनाथगंज ने 18/21 21/15 21/9 से अपने नाम किया और अपनी बादशाहत साबित करते हुए प्रतियोगिता का विजेता बनने का गौरव हासिल किया, विजेता और उप विजेता खिलाड़ियों को संयुक्त रूप से मन्ना लाल शुक्ला पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी वॉलीबॉल, बीपी सिंह पूर्व बीडीओ ने संयुक्त रूप से पुरस्कार वितरित किया प्रतियोगिता को सफल था बनाने में निर्णायक के रूप में विनोद यादव,राजेंद्र यादव, आरपी सिंह,पप्पू रमेश,मनीष त्रिपाठी उर्फ मिक्की अखिलेश सिंह,अवनीश यादव,जमील अहमद,पवन कुमार,सुनील कुमार और अखिलेश सिंह रहे ,समापन समारोह का संचालन पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशिक्षक आदित्य शुक्ला ने किया, इस मौके पर खेल प्रेमी शकुंतला शुक्ला,पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी और प्रशिक्षक सचिन शुक्ला, एथलेटिक्स प्रशिक्षक शोभनाथ यादव, खेलो इंडिया हॉकी प्रशिक्षक आशुतोष सिंह, कबड्डी प्रशिक्षक जेपी यादव, फुटबॉल प्रशिक्षक बुद्ध प्रकाश, कुश्ती प्रशिक्षक अरविंद कुमार, जिला क्रिकेट के आयोजन सचिव दुर्गेश त्रिपाठी, पूर्व वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी हितिक श्रीवास्तव और मनीष त्रिपाठी, जिम ट्रेनर विक्रम प्रताप सिंह और निखिल राणा उपस्थित रहे। अंत में जिला खेल अधिकारी पूनम लता राज ने प्रतियोगिता को सफल रूप से संचालित करने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

मंडी के पास छत काटकर की दुकान में चोरी

-दुकान स्वामी बोला पांच से छह लाख का सामान ले गये चोर

मथुरा। थाना हाइवे क्षेत्र की मंडी चौकी क्षेत्र में रात के समय बदमाशों ने एक दुकान की छत काट कर चोरी की घटना कारित की। दुकान स्वामी का कहना है कि चोर पांच से छह लाख रूपये का सामान ले गये हैं। चोरी की घटना का खुलासा सुबह हुआ जब दुकानदार अपनी दुकान खोलने के लिए पहुंचा। दुकान खोने के बाद उसके होश उड गये। दुकान की छत कटी हुई थी दुकान से सामान गायब था। दुकान में चोरी की सूचना पर आसपास के दुकानदार भी जुट गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही की है। दुकान स्वामी कृष्ण कुमार अग्रवाल ने बताया कि रोज की तरह जब उन्होंने सुबह दुकान खोली तो अंदर का नजारा देखकर सन्न रह गए। चोरों ने दुकान के भीतर घुसकर महंगे ब्रांडेड सामान पर हाथ साफ किया। बड़ी मात्रा में गुटखा, बीड़ी, सिगरेट सहित गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ली गई। पीड़ित दुकानदार के अनुसार करीब पांच से छह लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह का कहना है कि मामले का जल्द ही खुलासा किया जाएगा। हालांकि अभी तक चोरों का कोई सुराग नहीं लग सका है। स्थानीय व्यापारी वर्ग में घटना को लेकर भारी रोष है और सभी ने पुलिस से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

बाल शिक्षा प्रबंधक समिति के चुनाव संपन्न

मथुरा। बाल शिक्षा प्रबंधक समिति का द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का चुनाव होना था। चुनाव प्रक्रिया होली एंजिल पब्लिक स्कूल बाई पास पर सम्पन्न हुई। इसमें चुनाव प्रक्रिया के अंत में चुनाव अधिकारियों ने चुने गये पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। अधिकारियों ने घोषणा की किं अध्यक्ष पद पर विकास पाराशर, सचिव रिंकू शर्मा और कोषाध्यक्ष पद पर चेतेंद्र सिसोदिया निर्वाचित हुए हैं। इस चुनावी आयोजन में करीब 70 विद्यालय शामिल हुए। चुनाव समिति के सदस्यों में भूदेव प्रसाद गर्ग, गंगा प्रसाद प्रजापति, विनीता निगम की अहम भूमिका निभाई।

एक किलो गांजे के साथ पकडा

मथुरा। वृंदावन पुलिस ने लाला बाबू मंदिर के पास से एक किलो 100 ग्राम गांजे के साथ एक अभियुक्त को पकड़ा है। सोमवार को वृंदावन पुलिस ने अभियुक्त कन्हैया ऊफ कन्नू पुत्र गोपाल निवासी आदर्श कॉलोनी कोसीकला को गिरफ्तार किया जिसके पास एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया गया। अभियुक्त लाल बाबू मंदिर के पास गंजे को किसी को देने की फ़िराक में था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया है।

विद्युत विभाग की क्रॉस चेकिंग में स्मार्ट मीटर पास

-उपभोक्ताओं की अधिक बिल आने की शिकायत को किया खारिज

मथुरा। विद्युत विभाग की क्रॉस चेकिंग में स्मार्ट मीटर पास आए हैं। विभाग की ओर से उपभोक्ताओं की ओर से मासिक बिल अधिक आने की शिकायत को खारिज कर दिया गया है। शहर में उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट मीटर स्थापना के बाद लगातार शिकायत आ रही थी कि स्मार्ट मीटर में रीडिंग अपेक्षाकृत अधिक है जिस कारण बिजली का मासिक बिल काफी बढ़कर आ रहा है। उपभोक्ताओं की इस तरह की शिकायतों के समाधान हेतु विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर के साथ-साथ 5 प्रतिशत उपभोक्ता के चेक मीटर भी लगाए गए हैं इसके परीक्षण में पता चला है कि स्मार्ट मीटर एवं उसके साथ लगाए गए चेक मीटर की रीडिंग में कोई अंतर नहीं आया। महानगर में अब तक 51 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। इस संबंध में अधीक्षण अभियन्ता विधुत नगरीय वितरण मंडल मथुरा ई. आर.पी. सिंह के अनुसार उपमोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगने से बिजली बिल संटीक एवं समय से प्रात होगा, बिजली बिल के लिये उपकेंद्र के चक्कर नही लगाने पड़ेंगे। बिजली बिल खपत आदि की जानकारी मोबाइल एप पर मिल जायेगी एवं स्मार्ट मीटर से किसी प्रकार की कोई छेडछाड नही की जा सकेगी। मीटर स्थापित करने वाली कार्यदायी संस्था को असंतुष्ट उपभोक्ताओं के घरों मे स्मार्ट मीटर के साथ चौक मीटर लगाने हेतु भी निदेशित किया गया है ताकि उपभोक्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जा सकें।

प्रदर्शनी में कागज की कतरनों ने उकरे चित्रों को देखने पहुंच रहे लोग

●-मथुरा की प्रसिद्ध चित्रकार उमा शर्मा की बनाई चित्रों की प्रदर्शनी बनी आकर्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। ब्रज कला एवं शिल्प संग्रहालय के हाल में उमा शर्मा की चित्रकला प्रदर्शनी को देखने के लिऐ देश विदेश से लोग पहुंच रहे हैं। मथुरा की प्रसिद्ध चित्रकार उमा शर्मा कागज की कतरनों को चिपकाकर आकर्षक पेंटिंग बनाती हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ वृन्दावन के साहित्यकार व व्यवसाई कपिल उपाध्याय तथा वृन्दावन के तीर्थ पुरोहित अजय शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर ब्रज लोक कला एवं षिल्प संग्रहालय के हॉल में प्रदर्षनी लगाई गई प्रदर्षनी तीन दिनों तक चली जिसमें जर्मनी से पधारे विदेशी पर्यटकों के अलावा स्थानीय कला प्रेमियों ने भी रूचि दिखाई। उमा शर्मा किसी परिचय मोहताज नहीं हैं। वह मथुरा की एक प्रसिद्ध चित्रकार हैं, उन्होंने कागजों की कतरनों को चिपकाकर कोलाज तैयार करने में महारत हांसिल की है। उन्होंने इस प्रकार की पेंटिंग बना कर प्रसिद्धी पाई है, जो कम ही देखने को मिलती है, मथुरा की चित्रकार उमा शर्मा शांत स्वभाव और निर्मल हृदय की चित्रकार हैं उनके मन के भाव उनकी बनाई चित्रकला में भी दिखाई देती है। बिना कूची और रंग के, कागज की कतरनों से ही तस्वीरों को आकार देने वाली मथुरा की उमा शर्मा की कलाकृति मात्र पेंटिंग ही नहीं हैं, उनमें ब्रज का पूरा चित्रण देखने को मिलता है। उनके द्वारा बनाये गये तैल चित्रों में ब्रज की सभ्यता, संस्कृति और जनसामान्य के जीवन की एक झलक देखने को मिलती है। सन् 1950 में जन्मी चित्रकार उमा शर्मा की प्रदर्शनी देखने आये युवा कलाकारों को वह अपने बनाये चित्रों के सामने खड़े होकर समझा रहीं थीं कि इन चित्रों को रद्दी कागज के टुकड़ों को जोड़ जोड़ कर फेबिकोल की मदद से चिपका कर कैसे बनाया गया है। अनेक नवोदित कलाकारों ने भी इस स्थान पर अपनी अपनी चित्रकला को प्रदर्शित किया, जिसमें एमिटी यूनीवर्सिटी नोयडा से बेचलर ऑफ फाइन ऑर्ट में बेचलर डिग्री प्राप्त अनुकृति षर्मा द्वारा बनाई नौ देवियों व श्रीकृष्ण की पेंटिंग भी लगाई गई जिनकों भी देख दर्षकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर सपत्नी पूना से पधारे इस्कॉन मंदिर संस्था के उपाध्यक्ष संजय भौंसले सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्र सिंह, महेष शर्मा, प्रांषु शर्मा, तनू शर्मा, कमलेश्वर, प्रीति, मनीषा, अनिकेत, अनुभूति, शशि चौधरी, हरीश, सविता, पत्रकार सुनील शर्मा, गीता शोध संस्थान के कोडिनेटर चन्द्र प्रताप सिंह सिकरवार, वृन्दावन गाइड़ के आषु शर्मा आदि उपस्थित थे, तीन दिन तक चलने वाली इस प्रदर्शनी को देखने के लिए पांच सदस्यीय जर्मनी के विदेषी मेहमानों के अलावा सैकड़ों स्कूली छात्र? छात्राओं व स्थानीय कला प्रेमियों ने भाग लिया।

जन्माष्टमी के दोनों पर्व बिना व्यवधान के सकुशल संपन्न

●-जिलाधिकारी, एसएसपी ने जताया सभी का आभार

-राधाष्टमी पर बरसात के बीच उमडी भारी भीड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और राधाष्टमी के पर्व बिना किसी व्यवधान के सकुशल संपन्न हो गये। इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। राधा अष्टमी मेला 2025 के शानदार सफलतापूर्वक संपन्न होने पर जिला अधिकारी एसपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार ने सभी का आभार जताया है। राधाष्टमी पर बरसात के बीच भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। बरसाने में श्री राधाष्टमी पर्व 2025 बरसाने की विश्व प्रसिद्ध लाडली जी मंदिर बरसाना में धूमधाम से मनाया गया श्री राधाष्टमी पर्व पर पवित्र दर्शन करने हेतु श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा था सभी श्रद्धालुओं दर्शनार्थियों एवं पर्यटकों को सरल तरीके से दर्शन हुए श्री राधाष्टमी पर्व 2025 के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने बरसाना पहुंचकर बहुत ही सुकून महसूस किया प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखकर हर कोई उसकी तारीफ कर रहा था।

वही जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा निरंतर पूरे बरसाना में घूम घूम कर मेले की व्यवस्थाओं को देखा गया जिसके चलते संपूर्ण मेला क्षेत्र में लगे अधिकारियों कर्मचारियों में सक्रियता बनी रही सभी अधिकारियों कर्मचारियों ने पूरी जिम्मेदारी से ड्यूटी का निर्वाह किया स्वास्थ्य सुरक्षा यातायात पार्किंग भीड़ प्रबंधन साफ सफाई आदि सभी व्यवस्थाएं शानदार तरीके से जारी रही जिससे श्रद्धालु इस बार बहुत ही अच्छे तरीके से बरसाने से खुश होकर लौटे हैं बरसाना के प्रमुख समाजसेवी नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पदम सिंह व प्रमुख समाजसेवी महेश शर्मा ने जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की सराहना करने के साथ साथ मंडल आयुक्त शैलेंद्र सिंह व डीआईजी शैलेश कुमार पांडे की विशेष रूप से सराहना की उपरोक्त दोनों अधिकारी मेला के कंट्रोल रूम में बैठकर पूरी रात जाग कर स्वयं मेले की मॉनिटरिंग कर रहे थे जो की सराहनीय है मेले की सफलता पर मंडल आयुक्त शैलेंद्र सिंह डीआईजी शैलेश कुमार पांडे जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों कर्मचारियों का व बरसाना के सभी नागरिकों को मेले की सफलता के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

राधा का प्राकट्य प्रेम, करुणा और भक्ति का संदेशः मोहिनी दासी

●-श्री हरि व्यास निकुंज मंदिर परिक्रमा मार्ग में आयोजन शुरु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। श्री हरि व्यास निकुंज मंदिर परिक्रमा मार्ग वृंदावन में दो दिवसीय राधाष्टमी महोत्सव शुरू हो गया। प्रथम दिन परम संत रामकृपाल दास जी महाराज चित्रकूट वालों ने भक्तों से कहा कि श्री राधा जी केवल श्रीकृष्ण की प्रिया ही नहीं, बल्कि भक्ति की स्वरूपिणी, प्रेम की पराकाष्ठा और करुणा की मूर्ति हैं। राधारानी का जन्माभिषेक व अन्य अनुष्ठान रविवार को होने हैं। महाराज जी की शिष्या कथा वाचक सुश्री मोहिनी कृष्णदासी ने अपने संदेश में कहा कि बरसाना में प्रकट होने वाली राधा रानी की खुशी में समूचा ब्रज अपार उल्लास और भक्ति में डूबा हुआ है। राधाष्टमी को हर कोई श्रद्धा और आस्था के साथ मना रहा है। श्री राधा जी केवल श्रीकृष्ण की प्रिया ही नहीं, बल्कि भक्ति की स्वरूपिणी, प्रेम की पराकाष्ठा और करुणा की मूर्ति हैं। जिस प्रकार जल बिना कमल नहीं खिल सकता, उसी प्रकार राधा बिना कृष्ण की लीला पूर्ण नहीं होती। राधा और कृष्ण दो नहीं, एक ही दिव्य सत्ता के दो रूप हैं प्रेम और प्रियतम। राधा जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि भक्ति केवल पूजा पाठ नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म से पूर्ण समर्पण है। उनका संदेश है। प्रेम ही ईश्वर तक पहुँचने का सबसे सरल मार्ग है। भक्ति में न कोई भेद है, न कोई शर्त दृ केवल हृदय की निर्मलता चाहिए। भगवान कृष्ण तक पहुँचने का मार्ग राधा जी के नाम से होकर ही जाता है। राधा नाम जपने से मन शुद्ध होता है और जीवन में दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। आज जब संपूर्ण ब्रजभूमि राधे-राधे के गगनभेदी उद्घोष से गूँज रही है, तो आइए हम भी अपने जीवन में प्रेम, करुणा और भक्ति को स्थान दें। यही राधा अष्टमी का सच्चा संदेश है।

यात्रा को लेकर धीरेन्द्र शास्त्री ने वृंदावन में साधु संतों के साथ किया मंथन

●-धीरेन्द्र शास्त्री पदयात्रा के मुख्य बिंदुओं के संत समाज के सम्मुख रखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। दिल्ली से चलकर वृंदावन तक आने वाली धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा को लेकर वृंदावन में हुई बैठक में साधु संतों के बीच मंथन हुआ। बैठक में हिंदुओं की एकजुट, ब्रज में मांस मदिरा की दुकानों को बंद किये जाने, यमुना शुद्धिकरण जैसे मुद्दों पर साधु संतों ने प्रमुखता से अपनी बात रखी। बैठक वृंदावन के कृष्ण कृपा धाम में आयोजित हुई। इस पदयात्रा को बागेश्वर बांके बिहारी मिलन 'सनातन हिंदू एकता' नाम दिया है। बैठक में संत गोस्वामी सेवायत आदि पहुंचे। पदयात्रा 7 नवंबर से दिल्ली से प्रारम्भ होगी और 16 नवंबर को वृंदावन पहुंचेगी। यहां पदयात्रा का समापन होगा। दिल्ली से वृंदावन तक होने वाली पदयात्रा को लेकर बैठक में मौजूद रहे साधु संतों ने अपने विचार व्यक्त किये। भेद भाव और जात पात को हमें जड़ से मिटाना है, हमें भारत हिंदू राष्ट्र बनाना है। छुआछूत की करो विदाई हम सब हिंदू भाई भाई जैसी बातें हुई और इन मुद्दों पर जोर दिया गया। जिसको बागेश्वर धाम सरकार धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा है कि इस पदयात्रा का एक ही उद्देश्य है सभी हिंदुओं को हम घर घर जाकर गले लगाएंगे। छुआछूत एवं भेदभाव को जड़ से मिटाएंगे और हिंदू राष्ट्र बनाएंगे। बृजवासियों ने धीरेन्द्र शास्त्री का जोरदार स्वागत किया। बैठक में मौजूद साधु संतों ने कहा कि वह धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे और हिंदू राष्ट्र बनाने में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इस 9 दिन की पदयात्रा में बैठक में अनिरुद्धाचार्य ने आठ दिन की सेवा में अपनी अन्नपूर्णा रसोई से संतों श्रद्धालुओं के लिए भोजन उपलब्ध कराने की घोषणा की। कृष्ण कृपा धाम के महाराज, मोर कुटी आश्रम के संत, हनुमान दल के अध्यक्ष लाला पहलवान, मान मंदिर बरसाना के संत, भाजपा सांसद मनोज तिवारी एवं वृंदावन के अनेक साुध संत मौजूद रहे।

जिप्स की बिक्री पर नियमों की अस्पष्टता से दुखदा व्यापारी परेशान

●-फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल ने कहा जिप्सम की बिक्री के लिए लाइसेंस की आवश्यक्ता नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। कृषि विभाग द्वारा प्रत्येक जनपद एवं अन्य प्रदेशों में ब्लॉक द्वारा किसानों को जिप्सम सब्सिडी के माध्यम से दिया जाता है। वहीं जिप्सम का उत्पादन करने वाले सूक्ष्म उद्यमियों को कृषि विभाग द्वारा जिप्सम की खुली बिक्री करने से रोका जाता है जबकि फर्टिलाइजर एक्ट 1985 के अनुसार जिप्सम बिक्री के लिए किसी प्रकार की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। इसके बावजूद विभाग द्वारा जिप्सम के विक्रय करने वाले खुदरा व्यापारियों को अवैध रूप से परेशान किया जाता है। इस समस्या को लेकर व्यापारियों के हित में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश मुख्यालय एवं केंद्र सरकार (कृषि विभाग) तक जानकारी की गई तो वहां पर भी उनको बताया गया कि जिप्सम उत्पादन अथवा बिक्री के लिए किसी प्रकार की कोई लाइसेंस की जरूरत नहीं है एवं जिप्सम एफसीओ 1985 में एक उर्वरक की तरह भी नहीं नियमित है। एक तरफ किसानों को जिप्सम का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया जाता है एवं सब्सिडी के माध्यम से सरकार द्वारा विक्रय किया जा रहा है वहीं खुदरा व्यापारियों को कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा बिना किसी कारण जिप्सम बेचने से रोका जाता है। इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह से जब बात की गई तो उन्होंने भी जिप्सम को लेकर कोई संतुष्टि भरा जवाब नहीं दिया और कहा कि प्रदेश मुख्यालय द्वारा जिप्सम के संबंध में हमें किसी प्रकार का कोई निर्देश नहीं है। मगर इसके बावजूद भी कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा खुदरा व्यापारियों को जिप्सम बेचने से रोका जाता है ऐसा कब तक चलेगा।

पीएम की मां पर टिप्पणी का मथुरा में जोरदार विरोध

●-भाजपा महिला मोर्चा ने प्रदर्शन के बाद दिया धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी महानगर में भाजपा महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री की दिवंगत माता के खिलाफ की गई टिप्पणी का रविवार को होली गेट पर धरना देकर विरोध किया। वहीं भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मुदिता शर्मा ने कहा कि बिहार में प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री की स्वर्गीय माता के बारे में अपशब्द बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वोट और सत्ता के लिए कांग्रेस नेताओं का स्तर लगातार गिर रहा है। वही भाजपा महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष पूजा चौधरी ने कहा कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ देशवासियों की सेवा में दिन-रात समर्पित हैं।उन पर अमर्यादित और घृणित टिप्पणी राजद-कांग्रेस की नीचता की पराकाष्ठा है। महागठबंधन की सोच इतनी नीचे गिर चुकी है कि वे प्रधानमंत्री की स्वर्गवासी माताजी के लिए भी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे।वही मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया। यह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही नहीं बल्कि हर भारतीय मां और महिला के सम्मान पर हमला है। बिहार की मर्यादा और संस्कृति को बदनाम करने का प्रयास करने वाली राजद कांग्रेस को बिहारवासी कभी माफ नहीं करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि बिहार का एक एक बेटा, हर बिहारी मां के सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा और ऐसे अपमान को किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगा.कार्यक्रम में पूर्व पार्षद सोनू गौड़, पूनम, पूजा, कृष्णा, रामदुलारी, अजना, सोनू, वंदना, छाया, अनीता, साधना, ममता, सुनीत समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं की पिकअप में ट्रक ने मारी टक्कर

●- एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल, एक की मौत

- रिश्तेदारों के साथ मां की अस्थियां गंगा में विसर्जित करने जा रही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। रिश्तेदारों के साथ मां की अस्थियां गंगा में विसर्जित करने जा रही महिला की में एक्सीडेंट में मौत हो गई और करीब डेढ़ दर्जन रिश्तेदार घायल हो गए। राया क्षेत्र में बरेली हाईवे पर भरतपुर से सोरों गंगा स्नान जा रहे श्रद्धालुओं की पिकअप और ट्रक की जबरदस्त भिड़ंत में 15 श्रद्धालुओं बुरी तरह घायल हो गये। सूचना पर पहुची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिये अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार रविवार की रात्रि करीब दो बजे भरतपुर के थाना रुदावल के गांव महमदपुरा से 15 श्रद्धालु मैक्स पिकअप में सवार होकर गंगा स्नान के लिए सोरों जा रहे थे। इस दौरान बरेली हाईवे राजमार्ग पर गांव हुलु के समीप ट्रक और पिकअप की भिड़ंत हो गयी घटना के बाद लोगों मे चीख पुकार मच गयी। इस दौरान पिकअप में सवार श्रद्धालु भोला, रामसिंह, खेमचंद, ओमवती, विमलेश, प्रेमवती, दिलकश, राजकुमारी, सुनीता, करीना, ब्रह्मा, मुकेश बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल मय पुलिसबल के घटनास्थल पर पहुच गए और घायलों को उपचार के लिये अस्पताल भिजवाया। उपचार के दौरान एक महिला श्रद्धालु विरमा देवी (62) पत्नी किशनलाल निवासी भरतपुर की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। वही हादसे के बाद हाइवे पर जाम लगने के दौरान क्रेन द्वारा क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर राजमार्ग सुचारू करवाया।

बेशर्म खनिज विभाग की लचर व्यवस्थाओं ने फिर लील लीं दो जिंदगियां

● पसवारा में संचालित पत्थर खदान दरकी दो मजदूर घायल दो की मौत मचा कोहराम

बुंदेलखंड में फैला यह कारोबार अब तक ले चुका है लाखों जाने हजारों हुये विकलांग

घटना को लेकर उठे शोर का चंद सिक्कों के बल पर घोंट दिया जाता है यहां गला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इसरार पठान

बुंदेलखंड । खनिज विभाग की लचर कार्यप्रणाली ने फिर दो खनन मजदूरों की जान ले ली। रविवार को ग्राम पसवारा स्थित एक खदान का बड़ा हिस्सा दरक गया जिसकी चपेट में आकर दो मजदूरों की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य घायल हैं। बुंदेलखंड में खनन मजदूरों की मौत का सिलसिला थामे नहीं थम रहा है। यहां हर दिन कोई न कोई गरीब बेशर्म हो चुकीं व्यवस्थाओं भेंट चढ़ जाता है। यहां घटना के बाद उठने वाले नियमों के शोर और मौतों के बाद कथित कार्यवाही के ढोंग से कमोवेश हर कोई परिचित है, चंद घंटों की हलचल के बाद सब समान्य हो जाना यहां रोज की कहानी है। उक्त कारोबार से रसूखदार पूंजीपतियों का जुड़ाव और उनके प्रभाव व पैसे की धुन पर नाचती कथित नियमों की लाश न चाहते हुये भी मृतक मजदूरों के परिवारीजनों को सब्र अथवा समझौते के पायदान पर पहुंचा देती है। नतीजतन पहले से नियमविरूद्ध चल रही अवैध खनन की गाड़ी मजदूरों की कथित कब्रगाह पर दुगनी रफ्तार से दौड़ पड़ती है। समूचे बुंदेलखंड में धड़ल्ले से चल रहे इस कथित मौत के कारोबार में अब तक लाखों जिंदगियां डूब चुकीं हैं। अकेले पत्थर मंडी कबरई की बात करें तो यहां इस कारोबार की चपेट में आकर मरने व अपाहिज होने वालों की एक बड़ी संख्या कागजों में कैद है। कभी कबरई तक सीमित रहा यह कारोबार अब कुकुरमुत्ते की तरह समूचे बुंदेलखंड में फैल चुका है। अकेले महोबा जनपद के दर्जन भर से अधिक गांव इस करोबार की ज़द में हैं कबरई, डहर्रा, पसवारा, मामना और कुम्हरोड़ा तो क्रेशर उद्योग के बड़े हब़ बन चुके हैं।

महोबा के आलावा बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, झांसी और ललितपुर में भी इस उद्योग की जड़ें बेहद गहरा चुकी हैं। भारी मुनाफे की लालसा ने पत्थर कारोबार को उद्योग की शक्ल दे दी है। इस कारोबार से उत्पन्न राजस्व के सहारे सूबे का सरकारी खजाना लबालब हो रहा है तो इसी के बलबूते आने वाली अतिरिक्त आमदनी से वह तमाम अधिकारी कर्मचारी इतरा रहे हैं जिनका परोक्ष अथवा अपरोक्ष रूप से इस कारोबार में दखल व जुड़ाव है। सरकार एवं प्रशासनिक तंत्र के अलावा खनन कारोबारी भी खनन आमदनी के बलबूते खूब चिकने हो रहे हैं। सरकार, नौकरशाही व पूंजीपतियों के लिये वरदान पत्थर उद्योग मेहनतकश मजदूरों के लिये कल भी अभिषाप था आज भी है। रविवार को ग्राम पसवारा स्थित पहाड़ पर घटी घटना ने पुनः जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े दिये। मजदूरों की मौत अथवा घायल हो जाने पर कथित बिचौलियों की भूमिका निभाने वाला सरकारी तंत्र जिम्मेवारियों के मामले में अंधा सा हो जाता है। जानकार बताते हैं कि अकेले महोबा जनपद में दर्जनों ऐसे पहाड़ हैं जो खुलेआम नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं। उक्त पहाड़ों पर तय लिमिट से अधिक विस्फोटक का इस्तेमाल, बिना सुरक्षा इंतजाम मजदूरों से काम लिया जाना और सरकारी नियमावली की अनदेखी कोई नई बात नहीं। इन पहाड़ो के आस-पास बसे गांवों के लोग यहां होने वाली ब्लास्टिंग से खासे दहशतज़दा रहते हैं। जानकारों की माने तो नियमों का पालन कराने वाला खनिज विभाग मोटी मलाई और रसूखदार कारोबारियों से करीबी बनाये रखने के लालच में सूरदास बन चुका है।

घटना की होगी जांच पीड़ितों के परिवार को मिलेगा मुआवजाः एसडीएम

रविवार को ग्राम पसवारा स्थित पहाड़ पर हुये हादसे को लेकर प्रशासन हरकत में है। सूचना पाकर मौके में पहुंचे उपजिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर तथा कोतवाली प्रभारी मनीष पाण्डेय ने घटना स्थल का मुआयना किया और मुतकों के परिवारीजनों से मुलाकात भी की। एसडीएम सदर शिवध्यान पाण्डेय तथा सीओ दीपक दुबे ने घायल तथा मरने वालों को मुआवजा दिलाये जाने जैसे वादे के साथ घटना की उच्चस्तरीय जांच कराये जाने का आश्वासन भी दिया। मरने वालों की पहचान मकरबई ग्राम निवासी सलीम पुत्र छुन्ना 38 व नारायण सिंह पुत्र बाबू सिंह 35 के रूप में की गयी, जबकि मकरबई निवासी हसन पुत्र जुम्मन 35 को गंभीर घायलावस्था में हायर सेंटर रिफ़र कर दिया गया। बतौर मशीन आपरेटर काम करने वाले ग्राम बमरारा निवासी शिवम को मामूली चोट बताई जा रही है। सीओ दीपक दुबे।

पूर्ववाद एवं न्यायालय में लंबित राजीनामा युक्त प्रकरणों के निराकरण हेतु बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल – मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा श्री काशीनाथ सिंह, माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय के निर्देशानुसार एवं श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, बुढ़ार की अध्यक्षता में दिनाक 13.09.2025 को तहसील न्यायालय, बुढ़ार में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। उक्त नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निपटारे हेतु दिनांक 01.09.2025 को प्रिसिटिंग बैठक आयोजित की गई। जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री विजेन्द्र सिंह रावत, श्रीमती आकांक्षा तेकाम, श्री ऋषव दीक्षित, श्री लक्ष्मण रोहित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बुढ़ार बुढ़ार द्वारा कार्यवाही की गयी। साथ ही श्री जयकांत मिश्रा, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ बुढ़ार, सचिव श्री शैलेंद्र प्रताप सिंह, एवं अधिवक्ता सत्येंद्र शुक्ला, शैलेंद्र सिंह की उपस्थिति एवं नगरपालिका बुढ़ार एवं धनपुरी एवं विद्युत विभाग के अधिकारी की उपस्थित रहे।

रांची के रातू रोड देवी मंडप सरोवर नगर शिव मंदिर में गणपति पूजा एवं राधाष्टमी पर डांस प्रतियोगिता आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची के रातू रोड स्थित देवी मंडप सरोवर नगर शिव मंदिर में गणपति पूजा के उपलक्ष्य में एवं राधा अष्टमी के दिन पूजा पंडाल में भव्य डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बच्चियों ने राधा रानी एवं भगवान श्रीकृष्ण का रूप धारण कर नृत्य प्रस्तुत किया और पूरे माहौल को भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में भाजपा रांची महानगर के नेता अभिषेक सिंह राठौड़ एवं युवा नेत्री रौशनी सिंह राठौड़ ने प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया। अभिषेक सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि वे पूर्व में भी गणपति पूजा पंडालों में नन्हे-मुन्ने बच्चों को नृत्य कार्यक्रम में सम्मानित एवं पुरस्कृत कर प्रोत्साहित करने का कार्य करते आए हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से राजेश पाठक, रविंद्र शर्मा, उर्मिला शर्मा, ममता तिवारी, सुदामा देवी, पुष्पा देवी, सरिता पाठक, सोनी देवी, सुरेश सिंह, संजीत चौबे, शेखर चौबे, बबीता शर्मा, गगन कुमार, अनामिका कुमारी, श्री राधे कुमारी, सारांश पाठक, सौर पाठक एवं जयेश कुमार उपस्थित रहे।